दैनिक ट्रिब्यून, जालंधर, शुक्रवार, 1 अप्रैल, 2011

सम्मेलन आयोजित

अमृतसर, 31 मार्च (एस)। भारत के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं के बीच बीमारी के बोझ, खतरे और गैर संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की सही समझ विकसित करने के लिए आज फोर्टिस एस्कार्ट्स अस्पताल, कानिक केयर फाउंडेशन व इम्पैक्ट सीनियर लिविंग स्टेटस ने सम्मेलन का आयोजन किया।

इस अवसर पर फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. रत्नादेवी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गैर संक्रामक बीमारियां व्यक्ति को ही नहीं, पूरे समाज को दीनहीन बना देती है। इसलिए जरूरी है कि हम इनके इलाज व रोकथाम हेतु प्रचलित पद्धतियों बारे लोगों को जागरूक करें। फोर्टिस के चिकित्सक अध्यक्ष डा. एचपी सिंह ने बताया कि बुजुर्गों की देखभाल का मकसद बढ़ती उम्र की वजह से होने वाली बीमारियों की रोकथाम या उन्हें टालना है ताकि बुजुर्गों की मृत्यु से पहले लंबे समय तक बीमारी न झेलनी पड़े।